

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं- डिजिटल अरेस्ट नागरिकों के लिए सबसे खतरनाक खतरों में से एक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि तकनीक ने पुलिसिंग के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला दिया है और %डिजिटल गिरफ्तारी% नागरिकों के लिए सबसे भयावह खतरों में से एक बन गई है। राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि लोगों, खासकर वंचित वर्ग को पुलिस को एक भयावह संस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक सहारे के स्रोत के रूप में देखना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता कोई भी देश..., रक्षा विनिर्माताओं से बोले राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी देश अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता, इसलिए भारत को नई तकनीकें अपनाने और सीखने में पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हालात युद्ध जैसे थे, लेकिन भारत की सेनाएं हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार थीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भारतीय रक्षा विनिर्माता सोसायटी (एसआईडीएम) के वार्षिक सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, यह सच्चाई है कि कोई भी देश अनुसंधान और विकास के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। चाहे अमेरिका हो, चीन हो या दक्षिण कोरिया... जो भी देश आगे गए हैं, वो अनुसंधान और विकास की वजह से ही गए हैं। %सरकार का काम समान अवसर प्रदान करना%- उन्होंने आगे कहा, सीखने के लिए तो हमें कहीं से भी किसी से भी सीखना चाहिए। हम तो %आनो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वत्- को सींच को मानने वाले लोग हैं। दुनिया में अगर कहीं भी अच्छा अभ्यास हो रहा है, तो उसको अपनाने में हमें पीछे नहीं रहना चाहिए। जैसा कि मैंने कहा है कि सरकार का काम एक लेवल प्लेइंग फ़ील्ड (समान अवसर प्रदान करना) देना है और आपको लेवल प्लेइंग फ़ील्ड मिल रही है। लेकिन खेलना तो आप लोगों को ही है। खेल का अभ्यास भी करते रहिए। मैं चाहता हूं आप ऐसा खेलें कि पूरी दुनिया दर्शक बनकर आपकी ओर देखें।



सार्वजनिक और निजी निवेश की आवश्यकता-राष्ट्रपति ने इस दौरान कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और %हमें अपनी आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने और तेज करने के लिए लगातार बढ़ते सार्वजनिक और निजी निवेश की आवश्यकता है।% उन्होंने कहा, %किसी भी राज्य या क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए कानून-व्यवस्था एक आवश्यक पूर्व शर्त है। निवेश और विकास को बढ़ावा

देने में प्रभावी पुलिसिंग उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि आर्थिक प्रोत्साहन। राष्ट्रपति ने कहा कि आईपीएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों जैसे युवा अधिकारियों के नेतृत्व में भविष्य के लिए तैयार पुलिस बल विकसित भारत% के निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। लोगों को ऐसे शिकार बनाते हैं थोखेबाज- उन्होंने कहा, थोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण करते हैं, गिरफ्तारी और बैंक खातों

को फ़ीज करने जैसी धमकियों का इस्तेमाल करके पीड़ितों को कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए जुर्माना या जमानत राशि के रूप में पैसे देने के लिए मजबूर करते हैं। ये थोखेबाज कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर वीडियो कॉल का इस्तेमाल करते हैं और पीड़ितों को निशाना बनाते हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता

उपयोगकर्ता आधार है।% उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने भारत जैसे उपनिवेशों में भय, अविश्वास और दूरी पर आधारित पुलिस व्यवस्थाएँ बनाईं। पुलिस व्यवस्था में सांस्कृतिक वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया आईपी या भारतीय पुलिस को आईपीएस या भारतीय पुलिस सेवा में बदलने के साथ शुरू हुई। यह बदलाव शासन करने के बजाय सेवा करने के विचार पर आधारित एक नया दृष्टिकोण लाने के लिए था।

महिला कलाकार ने मंच दिलाने की लगाई गुहार, सीएम ने तुरंत दिया आदेश, बोले-स्थानीय कलाकारों को मिले अधिक मौका

छठ महापर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार शाम को गोमती के तट पर पहुंचे और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में छठ महापर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार शाम को ब्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर पूजन किया। लखनऊ में छठ पर्व के लिए खास तैयारियों की गई हैं। लक्ष्मण मेला मैदान में गोमती नदी के तट को सजाया गया है। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महापौर सुषमा खर्कवाल लक्ष्मण मेला मैदान पहुंचे और भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर उन्हें प्रणाम किया। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी को छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। वहीं, गोमती तट पर सीएम को देखकर वहां मौजूद लोगों ने भी जय श्रीराम के नारे लगाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरकारी आवास में प्रदेश के कई जनपदों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पुलिस, आर्थिक सहायता, जमीनी विवाद व पारिवारिक मामलों से जुड़ी शिकायतें भी आईं। एक महिला कलाकार ने सांस्कृतिक मंच दिलाने की मांग की। इस पर सीएम ने संबंधित



को निर्देशित किया कि पंजीकृत व स्थानीय कलाकारों को अधिक से अधिक मौका मिले। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास पर %जनता दर्शन% किया। उन्होंने प्रदेशभर से आए पीड़ितों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित अफसरों को निश्चित समयावधि में उनका निस्तारण कराने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ितों से फीडबैक भी लेने को कहा। धन के अभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज- सरकारी जमीनों पर कब्जा किए जाने की बात पर सीएम ने जांच करके तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एंस्टिमेट बनवाने को कहा। कहा कि धन के अभाव में किसी का भी इलाज अधूरा नहीं रहेगा। इलाज की

व्यवस्था के लिए सरकार आपके साथ खड़ी है। सर! मैं कलाकार हूँ... मुझे कार्यक्रम दिलवा दीजिए। इस मौके पर एक महिला कलाकार ने कहा कि वे लोकगीत कलाकार हैं। उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रम करना है। मंच दिला दीजिए। इस पर सीएम ने उन्हें कार्यक्रम दिलाने का आदेश दिया। कहा कि सरकार हर जिले में लोककलाओं को प्राथमिकता दे रही है। कई आयोजन भी कराए जाते हैं। पंजीकृत व अधिक से अधिक स्थानीय कलाकारों को मौका मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पर आयोजित स्मृति प्राकट्योत्सव मेले में शिरकत की। उन्होंने कबीरदास के जीवन पर प्रकाश डाला। जात-पात पर प्रहार करते हुए समाज को एकजुटता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को

लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम पर पहुंचे। उन्होंने यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकजुटता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कबीरदास ने जातीयता पर प्रहार किया। जाति की विसंगतियों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा था कि जात-पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होइ। मुख्यमंत्री ने कहा कि जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा था। जाति के नाम पर समाज का विभाजन हुआ था। इस विभाजन से उबारने के लिए उस समय गुरु रामानंद, कबीरदास, रविदास समेत अनेक संतों ने समाज को नई दिशा दी। उनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासांगिक है, जितना उस समय थी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज भी समाज की आस्था पर प्रहार हो रहे हैं। जातीय आधार पर समाज को विभाजित करने की साजिश हो रही है।

जस्टिस सूर्यकांत होंगे देश के अगले मुख्य न्यायाधीश, सीजेआई गवई ने कानून मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

जस्टिस सूर्यकांत भारत के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश सीजेआई बीआर गवई के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। चीफ जस्टिस के रिटायरमेंट के बाद वे भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। चीफ जस्टिस बीआर गवई ने केंद्रीय कानून मंत्रालय को अगले मुख्य न्यायाधीश के लिए जस्टिस सूर्यकांत के नाम का प्रस्ताव भेजा है। दरअसल, सीजेआई गवई ने 23 नवंबर को पद से मुक्त हो रहे हैं। वरिष्ठता के हिसाब सूची में पहले नंबर पर जस्टिस सूर्यकांत न्यायमूर्ति सूर्यकांत भारत के मुख्य न्यायाधीश के बाद सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और भारतीय न्यायपालिका के प्रमुख बनने की कतार में अगले स्थान पर हैं। नियुक्ति के बाद, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को अगले मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और 9 फरवरी, 2027 तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर बने रहेंगे। अब जानें- जस्टिस सूर्यकांत की शिक्षा- कानून क्षेत्र का अनुभव- 10 फरवरी 1962 को हिसार जिले के पेटवर गांव में जन्मे सूर्यकांत का बचपन साधारण परिवेश में बीता। उन्होंने प्रारंभिक पढ़ाई गांव के स्कूल से पूरी की और गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, हिसार से 1981 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय,



रोहतक से 1984 में कानून (एलएलबी) की पढ़ाई पूरी की। इसी वर्ष उन्होंने हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और 1985 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू की। जल्द ही उन्होंने सांविधानिक, सेवा और नागरिक मामलों में अपनी गहरी समझ और सशक्त दलीलों से पहचान बनाई। सामाजिक मुद्दों से जुड़ी रही न्यायिक यात्रा- उनकी न्यायिक यात्रा सामाजिक मुद्दों से जुड़ी रही। वे सार्वजनिक संसाधनों के संरक्षण, भूमि अधिग्रहण, आरक्षण और सांविधानिक संतुलन जैसे विषयों में संवेदनशील दृष्टिकोण रखते रहे। उनके फैसलों ने सामाजिक न्याय, सांविधानिक मर्यादा और नागरिक अधिकारों को मजबूती दी। हरियाणा के सबसे युवा एडवोकेट जनरल बने थे 7 जुलाई 2000 को वे हरियाणा के एडवोकेट जनरल नियुक्त हुए। यह पद संभालने वाले सबसे युवा व्यक्ति थे। अगले वर्ष उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता

(सीनियर एडवोकेट) का दर्जा मिला। 9 जनवरी 2004 को वे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के स्थायी न्यायाधीश बने। बाद में, 5 अक्तूबर 2018 को उन्हें हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वहां उनके प्रशासनिक कौशल और न्यायिक दृष्टिकोण की व्यापक सराहना हुई। देश के 53वें सीजेआई होंगे जस्टिस सूर्यकांत, नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे। वह 9 फरवरी, 2027 तक इस पद पर रहेंगे। न्यायाधीशों की नियुक्ति और तबादलों की प्रक्रिया तय करने वाले 'मेमोरैंडम ऑफ प्रोसीजर' के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ और उपयुक्त न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है। सीजेआई गवई के बाद सुप्रीम कोर्ट में सबसे वरिष्ठ जज जस्टिस सूर्यकांत हैं। मौजूदा सीजेआई के सेवानिवृत्त होने से करीब एक माह पहले विधि मंत्री उनकी सिफारिश मांगते हैं।

चुनाव आयोग का एलान- दूसरे चरण में 12 राज्यों में होगा एसआईआर, बिहार में सफल संचालन किया गया



चुनाव आयोग ने देशव्यापी एसआईआर को लेकर बड़ा एलान किया है। चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर के दूसरे चरण में 12 राज्यों में अभियान चलाया जाएगा। इसमें मतदाता सूची में सुधार, नए मतदाताओं का समावेश और सूची में त्रुटियों का निवारण किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर का फेज-1 खत्म हो गया है, अब इसका दूसरा चरण शुरू होगा। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण सफल तरीके से किया गया है। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे फेज में देश के 12 राज्यों

में यह अभियान चलाया जाएगा। क्या है एसआईआर का उद्देश्य?- विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में सुधार करना और इसमें नए मतदाताओं का समावेश करना है। इसमें नामों की जांच, पुराने मतदाताओं की पुष्टि, और आवश्यक संशोधन शामिल होंगे। आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में त्रुटियों को दूर कर नए मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जिससे चुनावों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इन राज्यों में किया जा सकता है एसआईआर- हालांकि, अभी

तक पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों के अनुसार पहले चरण में 10 से 15 राज्य शामिल होंगे। इनमें ऐसे राज्य होंगे, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन राज्यों में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुद्दुचेरी शामिल हैं। एसआईआर में मतदाता सूची की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी और आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। भारतीय निर्वाचन आयोग ने देशभर में एसआईआर अभियान की तैयारियों की तैयारी में है। इसी के शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की है।

संपादकीय Editorial

Himachal's Deteriorating Air Quality

If Diwali's byproduct, pollution, becomes a continuous cycle, then we must consider that these firecrackers have become very poisonous for us. The irony for Himachal is that its proximity to the plains means it shares air pollution. The winds from Delhi to Punjab don't purify our air; instead, consumerism has also changed the landscape of the mountains. The Air Quality Index (AQI) has cast a curse on some cities in Himachal. The Pollution Control Board tested the air quality in some major cities of the state between October 13th and 20th. Five cities, including Dharamshala, recorded AQI figures above 100. Other cities like Parwanoo, Paonta Sahib, Una, and Baddi have given ominous signals for Himachal. We can assume that these cities are struggling to protect themselves from the clutches of the plains and industrialization, but the tag of a tourist destination and hill station attached to Dharamshala has certainly been cursed. This is also a reflection of the insensitivity of civic behavior and the careless policies regarding pollution. In such a situation, before saving the mountainous and environmental cover, civil society must accept that playing with explosives in the mountains is not right. The pollution emanating from firecrackers may be one reason, or the smoke from firecrackers accumulating in the lower areas will ultimately tarnish the existence of the Dhauladhar mountain range. Although the Pollution Control Board has measured the pollution in the lower areas, there is now also a need to continuously monitor the effect of the smoke hovering over all the hills, especially the Dhauladhar range. On the other hand, the Air Quality Index indicates that an excessive number of vehicles, or too many private vehicles, are wreaking havoc in cities like Dharamshala. Throughout the state, in addition to the fires caused by firecrackers, the emissions from vehicles have crossed the limit of polluting the environment. Markets for old vehicles have sprung up in the state to such an extent that 800 vehicles, some as old as 20 years, are creating a graveyard of pollution in almost every house and every street. The strict laws in Delhi that have curbed vehicle emissions are now causing problems in the valleys of Himachal Pradesh. Therefore, a roadmap for public and urban transport needs to be developed to reduce the use of private vehicles. This would require projects similar to those in Shimla, utilizing ropeways to connect Dharamshala, Kullu-Manali, and Sundernagar-Mandi. The lower plains of Himachal Pradesh are experiencing many of the same environmental problems common in neighboring states like Punjab and Haryana. In these areas, not only crop residue but also grass is being burned, and even pine needles are now being intentionally set on fire. Himachal's worst air quality index readings are in Baddi, followed by Una, which is not a good sign, but Nalagarh, Sundernagar, and Shimla still enjoy relatively clean air. Surprisingly, even a city like Manali, which is supposed to be environmentally pristine, is now accumulating pollution. The hills being cut down by JCB machines, and the construction of anti-nature towers using sand, cement, and steel are generating so much dust that the fireworks of the new economy are polluting the clean air throughout the year.

Ineffective Anti-Conversion Laws: Government and Society Must Both Make Efforts

Religious conversion is not merely a transformation of faith, worship, and religious practices; it is also a transformation of national identity. Until this understanding reaches every section of society, anti-conversion laws will not be fully successful, no matter how stringent they are made. Along with making anti-conversion laws stricter, efforts should also be made to ensure that no one is converted through deception or coercion. These efforts must be made by every organ of the government as well as by society. The Rajasthan government had passed the 'Religious Conversion Prohibition Bill' with the objective of curbing conversions carried out through coercion, force, or inducement, and it has now become law after receiving the Governor's assent. This act contains extremely stringent penal provisions against forced or fraudulent conversions. According to this law, all offenses related to conversion will be non-bailable, their trials will be held in the Sessions Court, and the accused will not easily get bail. The question of conversion is not merely a matter of faith or individual freedom, but it is also deeply connected to social unity, cultural balance, and national security. In the last few years, numerous cases of conversions through coercion, force, inducement, or temptation have come to light from various parts of the country. In a culturally rich nation like India, such activities are not only a challenge to religious and cultural diversity but are also weakening social harmony. Against this backdrop, the Rajasthan government has sent a message by enacting this law that no kind of forced or fraudulent conversion will be acceptable in the name of individual rights, nor will it be tolerated in the interest of society. In India, religious conversion has been part of a centuries-old, nurtured, protected, and well-planned global campaign. The process of conversion driven by Islam and Christianity has always targeted India's Sanatan culture and philosophy because of its liberalism, tolerance, and all-inclusive approach. Today, there is hardly a single state in the country where the fraudulent business of religious conversion is not being carried out in an organized manner. Those involved in conversions target Dalit, marginalized, and innocent poor communities. When persuasion fails, they resort to deception, fraud, false miracles, and misleading religious and caste-based narratives. Some conduct this business in the name of service and medical aid, while others use the pretext of heaven and hell. The situation has reached a point where religious conversions have seriously affected the local demographics and cultural balance in several parts of the country. Even Punjab, considered a prosperous state, has been suffering from the activities of conversion-promoting pastors for some time now. Approximately ten states in the country have enacted anti-conversion laws. Some of these states, like Rajasthan, have also made their anti-conversion laws more stringent. Uttar Pradesh is also included in this list, yet reports of conversions continue to surface regularly. Recently, news came from Bareilly that a pastor named Sumit Massey and his associates were arrested on charges of religious conversion. According to the police, these individuals were targeting socially weaker sections of society. Before this, it was reported that the Supreme Court had stated that some sections of Uttar Pradesh's anti-conversion law do not stand up to constitutional scrutiny. It should also be noted that the Supreme Court has sought responses from four states regarding their anti-conversion laws. It is clear that there are limitations to making anti-conversion laws more stringent. If we analyze the impact of anti-conversion laws, we find that while laws are enacted and even made stricter, their implementation is often ineffective. The sections of society targeted by those involved in conversions lack the awareness to take appropriate legal action against these elements in time or to recognize their schemes. Why is the number of accused convicted for the crime of religious conversion almost negligible despite the existence of strict laws? One reason for the failure to curb religious conversions is social. Even today, Hindu society remains divided along caste lines. If the spirit of social harmony is not strengthened from one end to the other, divisive forces will continue to succeed in their objective of dividing society. Political parties, eager to fulfill their narrow self-interests, are only exacerbating the problem. They fuel the fire of caste discrimination and often criticize anti-conversion laws. To prevent conversions, a sense of unity and harmony, along with cultural awareness, must be fostered from within society itself. This should not be limited to the level of ideas alone; thousands of projects and initiatives related to service, cooperation, education, and healthcare must be implemented on the ground. Religious conversion is not merely a transformation of faith, worship, and religious practices; it is also a form of national conversion. Until this understanding reaches every section of society, anti-conversion laws will not be fully successful, no matter how stringent they are made. Along with making anti-conversion laws stricter, efforts should also be made to ensure that no one is converted through deception or coercion. These efforts must be undertaken by every branch of the government as well as by society itself.

A major obstacle to becoming a developed country: rampant corruption in the government system.

It's uncertain whether these two will face harsh punishment. Bhullar, while being taken to jail, said he was confident that the court would deliver justice. It's unknown what Riten Kumar Singh said, but it wouldn't be surprising if he too expressed faith in the courts. This is because the country has seen that the Delhi High Court judge in whose house crores of rupees in burnt notes were found is technically still a judge. Corruption exists in the government system because our average leaders are corrupt. The question of eliminating corruption in the government system doesn't even arise, but in our country, it's not even being controlled. Shocking examples of this keep surfacing. The latest example is the arrest of DIG Harcharan Singh Bhullar of the Ropar range in Punjab. Bhullar was arrested for demanding a bribe of eight lakh rupees from a scrap dealer. The middleman he had hired to collect the bribe was also arrested. According to reports, the DIG was demanding a monthly bribe of eight lakh rupees from the scrap dealer. After arresting him, the CBI raided several of his properties in Mohali, Ambala, and other cities, recovering seven and a half crore rupees in cash and two and a half kilograms of gold. They also found documents for more than 50 properties and several expensive cars, including a Mercedes and an Audi. It's difficult to say how much wealth he accumulated through corruption, as details of the money in his bank accounts and what's kept in his lockers haven't yet been revealed. What can be easily said is that he was amassing wealth with both hands, and there was no one to stop him. He came from a wealthy family; his father was a former DGP of Punjab. Can it be said that Bhullar is the only officer who misused his authority and was involved in corruption? Absolutely not. He is certainly not the first officer to be found involved in corruption. Every month or two, corrupt officials keep surfacing, from whom crores and billions of rupees in ill-gotten gains are recovered. Just one day after Bhullar's arrest, the CBI caught M. Riten Kumar Singh, Executive Director and Regional Officer of the National Highway and Infrastructure Development Corporation Limited, in Guwahati, accepting a bribe of ten lakh rupees. They recovered Rs. 2.62 crore in cash from him. It was also discovered that he owned nine luxury flats, a premium office space, and three residential plots in Delhi-NCR. In addition, one flat in Bengaluru, four flats and two plots in Guwahati, and two plots and agricultural land in Imphal were also found. Nine expensive cars were also seized from him. The CBI suspects that many of his properties are benami (held in the name of others). He was accepting a bribe of ten lakh rupees in exchange for extending the deadline for the National Highway-37 project and issuing a completion certificate. Now you can better understand why substandard construction is so prevalent in our country and why roads, bridges, etc., get damaged soon after they are built. This happens because wherever there is any kind of construction, there is corruption. Similarly, wherever there is any kind of government permission, approval, inspection, testing, certification, renewal, etc., there is bribery. In some places, the rates are even fixed. In our country, even legitimate work is done through illegitimate means, i.e., by paying bribes. This degrades the quality of government work and leads to disregard for rules and regulations. As a result, chaos spreads, discontent grows, and the country's progress is hampered. This is why the dream of India becoming a developed nation is difficult to fulfill. After all, when the very system that should be helping the country develop becomes an obstacle, how can this goal be achieved? An example of how the corrupt government machinery is harming and defaming the country came to light recently in the form of the deaths of more than 25 children due to toxic cough syrup. Preliminary investigations revealed that the entire process, from drug manufacturing to testing, was plagued by negligence and disregard for regulations. It shouldn't be difficult for anyone to understand that corruption must be at the root of this neglect and disregard. When the case of the toxic cough syrup came to light, there were widespread reports from across the country of large-scale seizures of samples of adulterated and counterfeit khoya, sweets, and other food items. The fact that such reports surface primarily during major festivals doesn't mean that adulterated and counterfeit food items aren't manufactured and sold on other days. In reality, this practice goes on all the time. Corruption exists in the government system because our average leaders are corrupt. This includes everyone from councilors to ministers. Governments claim that they are following a zero-tolerance policy towards corruption. If such a policy truly existed, could officers like Harcharan Singh Bhullar and Riten Kumar Singh have amassed such immense wealth? Both these officers were sent to jail and suspended. It remains uncertain whether they will face severe punishment. Bhullar, while being taken to jail, said that he was confident that the court would deliver justice. It's unknown what Riten Kumar Singh said, but it wouldn't be surprising if he too expressed faith in the courts. This is because the country has seen that the judge of the Delhi High Court in whose possession crores of rupees in burnt currency notes were found technically still remains a judge.

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खाद्यान्न आपूर्ति को लेकर जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक संपन्न

मॉडल शॉप निर्माण के लिए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने के लिए सक्रियता बरतने के निर्देश। राशन वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी हो, अनियमितता बरतने वालों पर हो सख्त कार्रवाई। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की नियमावली 2015 के अंतर्गत के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित राशन वितरण प्रक्रिया, मॉडल शॉप राशन कार्डों के सत्यापन कार्य की समीक्षा की। जनपद में अंत्योदय गृहस्थी के अंतर्गत 520646 कार्ड पात्र गृहस्थी के अंतर्गत कुल 2248723 यूनिट सम्मिलित हैं। जिनमें नगरीय क्षेत्र में 265 और संचालित हैं। इन सभी दुकानों पर अनुमन्य राशन वितरण सुनिश्चित पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया जिम्मेदारी है कि वह निश्चित मात्रा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अनियमितता और लापरवाही की उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र और जा रहे खाद्यान्न की स्थिति के बारे खाद्यान्न आपूर्ति में किसी भी प्रकार आंगनबाड़ी केन्द्र एवं परिषदीय बच्चों को भोजन की उपलब्धता के लिए भी विभागीय निर्देशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। राशन कार्डों के सत्यापन की स्थिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही यूनिट जोड़े जाएं और नवीन राशन कार्ड जारी हों। मॉडल शॉप निर्माण की स्थिति के बारे में जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 150 मॉडल उचित दर दुकानों के सापेक्ष 95 उचित दर दुकानों के लिए भूमि चिन्हांकन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिसमें से 81 उचित दर दुकानों के संबंध में कार्य योजना शासन को प्रेषित की जा चुकी है। ई-केवाईसी के संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में 91.2 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने शत प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था, जीरो पॉवर्टी एवं प्रवर्तन कार्य सहित अन्य विभागीय कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक समीक्षा की। एक दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम 29 अक्टूबर को एमआईटी मुरादाबाद में जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी श्री भगवान दास ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्टूबर 2025 को एमआईटी मुरादाबाद में कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में सामूहिक लोकगीत, सामूहिक लोकनृत्य, कविता लेखन, कहानी, लेखन, पेन्टिंग एवं डिक्लेमेशन प्रतियोगिता एवं साइंस मेला के अन्तर्गत इनोवेशन प्रोजेक्टों को प्रदर्शित किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने हेतु इच्छुक प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है।

आग का गोला बना रेस्टोरेंट... बचाओ-बचाओ चिला रही थी भीड़, लपटों में घिरीं तीनों मंजिल; सड़क तक भी फैल गई

मुरादाबाद के रामपुर रोड पर प्रेम वंडर लैंड के नजदीक परी रेस्टोरेंट के बेसमेंट में रविवार की रात करीब 10 बजे पांच सिलिंडरों के फटने से आग लग गई। देखते ही देखते तीन मंजिला रेस्टोरेंट आग की चपेट में आ गया। धुएं में दम माया श्रीवास्तव की जान चली गई में रविवार को छुट्टी का दिन होने के रेस्टोरेंट में खाना खाने आए थे। म्यूजिक लोगों में अचानक धुएं का गुबार देख पाते आग की लपटें नजदीक पहुंचने माहौल में बदहवासी छा गई। आग दूसरी और तीसरी मंजिल पर मौजूद लेकिन कोई रास्ता नहीं मिला। आग सिर पर देख लोग नीचे कूद पड़े। का सहारा लेकर कूद गया। नीचे गिरे की लपटों में घिरे रेस्टोरेंट को देख फंसे ग्राहकों को कूदता देख भीड़ किसी तरह लोग सुरक्षित नीचे आए, इतनी भीषण की सड़क तक फैल गई से रेस्टोरेंट में इतनी भीषण आग लगी चपेट में आ गई। आग की लपटें धीरे-धीरे आग सड़क तक फैल गई। थे। गनीमत रही कि आग हाईवे तक इलाज अग्निकांड में झुलसे और शौर्या साधना (36) पत्नी सचिन श्रीवास्तव, शिवानी (32) पत्नी प्रदीप (39) पुत्र विजय श्रीवास्तव, अजय अस्पताल में इलाज चल रहा है। अन्य निजी चिकित्सालय चले गए। इस सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष में जानकारी ली। पुलिस का कहना है प्रदीप के भाई सचिन का परिवार भी आशंका पुलिस का मानना है कि और शॉर्ट सर्किट से आग लगी। लगने के कारणों का पता सोमवार सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। झुलसे सही तथ्यों के बारे में जानकारी मिल की मां की मौत हो गई। उसकी पत्नी से सटे गैराज में भी लगी आग पटाखों की चिंगारी से प्रेम वंडर लैंड के नजदीक परी रेस्टोरेंट से सटे कार के गैराज में भी आग लग गई। पता चला है कि रेस्टोरेंट से नजदीक एक शादी समारोह में पटाखे दगाए जा रहे थे। आग से गैराज में रखी तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने बताया कि उन्हें रविवार की रात दस बजे आग लगने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर दो घंटे में आग को काबू में किया गया। इस दौरान गैराज में भी आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियों ने आग को काबू में किया। सोमवार को अग्निशमन विभाग पूरी जांच के बाद अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचेगा। अभी घटना के कई कारण सामने आ रहे हैं परी रेस्टोरेंट में धमाके के साथ फटे पांच सिलिंडर, महिला की मौत, नौ झुलसे मुरादाबाद के रामपुर रोड पर प्रेम वंडर लैंड के नजदीक परी रेस्टोरेंट के बेसमेंट में रविवार की रात करीब 10 बजे पांच सिलिंडरों के फटने से आग लग गई। देखते ही देखते तीन मंजिला रेस्टोरेंट आग की चपेट में आ गया। धुएं में दम घुटने से रेस्टोरेंट मालिक की मां माया श्रीवास्तव की जान चली गई और नौ लोग झुलस गए। इस दौरान पहली और दूसरी मंजिल पर मौजूद 12 लोगों ने कूदकर जान बचाई। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशकत के बाद दो घंटे में आग पर काबू पाया। प्रेम वंडर लैंड के नजदीक प्रदीप श्रीवास्तव का तीन मंजिला परी रेस्टोरेंट है। इस रेस्टोरेंट का रसोईघर बेसमेंट में है। रविवार की रात दस बजे रसोईघर में खाना बनाया जा रहा था। इस बीच गैस रिसाव होने से रसोईघर में आग लग गई। देखते ही देखते एक-एक कर पांच सिलिंडर धमाके के साथ फट गए। खाना बना रहे कर्मचारी मौके से भाग निकले। आग बेसमेंट से प्रथम तल से होते हुए दूसरे और तीसरे तल पर जाने लगी। धुएं के गुबार और आग से चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, एफएसओ ज्ञान प्रकाश शर्मा फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। उस समय आग तीसरी मंजिल तक पहुंच गई थी। पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल से कूदकर निकले लोग एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना था कि रेस्टोरेंट मालिक प्रदीप श्रीवास्तव समेत करीब 12 लोग पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल से कूदकर निकले। झुलसे लोगों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने झुलसी रेस्टोरेंट मालिक की मां माया श्रीवास्तव (56) पत्नी जय प्रकाश श्रीवास्तव को मृत घोषित कर दिया। अन्य नौ लोगों का डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद सात लोगों को इलाज के लिए भर्ती कर लिया। एसपी सिटी का कहना है कि प्रथम दृष्टया घटना शॉर्ट सर्किट से होना माना जा रहा है।



अध्यक्षता में उ. प्र. खाद्य सुरक्षा गठित जिला स्तरीय सतर्कता समिति हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने पारदर्शी निर्माण की स्थिति, ई-केवाईसी एवं प्रगति सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत योजना के अंतर्गत 30090 और पात्र धारक हैं। इस प्रकार अंत्योदय और 550736 राशन कार्डों के अंतर्गत जिले में 1225 उचित दर की दुकानें हैं, ग्रामीण क्षेत्र में 960 उचित दर दुकानें ई-पांस के माध्यम से कार्ड के अनुरूप कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जिला कि प्रत्येक उचित दर दुकान की यह में प्रत्येक कार्ड धारक को खाद्यान्न खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की दशा में कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। परिषदीय विद्यालयों में उपलब्ध कराए में भी जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि का अवरोध नहीं होना चाहिए साथ ही विद्यालयों में निर्धारित मानकों के अनुरूप

संक्षिप्त समाचार

जिस सांड को रोटी खिलाता था परिवार...

उसने ही बुजुर्ग को उठाकर पटका, तोड़ा दम

मुरादाबाद में सांड ने बुजुर्ग दुकानदार को उठाकर पटक दिया। इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। एक युवक द्वारा शरीर पर पानी डालने की वजह से सांड भड़क गया था। मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के



चंदन नगर में शनिवार की सुबह सांड ने एक बुजुर्ग दुकानदार को सींग से उठाकर पटक दिया। घायल बुजुर्ग को एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर नगर निगम की टीम ने सांड को पकड़ लिया। चंदन नगर निवासी खजान सिंह (65 वर्ष) की घर के पास प्लास्टिक एवं हैंडलूम की दुकान है। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे वह दुकान खोलने जा रहे थे। छड़ी के सहारे वह घर की गली से निकल कर चंदन नगर में ही सिंह मंडप तिराहे के पास पहुंचे तभी पीछे से एक सांड आ गया। उसे देखते ही वह बचने के लिए सड़क के किनारे खड़े हो गए। इसी समय सांड से बचने के लिए एक महिला खजान सिंह को पकड़कर गली में खींचने लगीं। बीते दिनों पैरालिसिस (लकवा) का अटैक होने के कारण वह तेज कदमों से नहीं चल पा रहे थे। फिर भी वह गली की तरफ चले गए थे। पानी शरीर पर पड़ने के बाद भड़क गया सांड लोगों का कहना है कि घटना के समय एक युवक ने सांड को भगाने के लिए उसके शरीर पर पानी फेंका। पानी शरीर पर पड़ने के बाद सांड भड़क गया और दौड़ते हुए उसने सींग से उठाकर खजान सिंह को पटक दिया। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बुजुर्ग दुकानदार के बेटे राजेंद्र ने बताया कि वह घटना के समय घर में नहा रहे थे। उन्होंने घायल पिता को कांट रोड अकबर का किला स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार सुबह खजान सिंह ने दम तोड़ दिया। परिवार के लोगों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दिए बिना शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इस बारे में सिविल लाइंस थाना प्रभारी मनीष सक्सेना ने बताया कि हादसे की जानकारी पुलिस को नहीं दी गई थी। इस कारण उनका पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। सीसीटीवी में कैद हुई सांड के हमले की घटना सांड द्वारा बुजुर्ग खजान सिंह पर हमले की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। कैमरे में सांड पर पानी फेंकने और बुजुर्ग पर हमले की घटना दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो रविवार को वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस सूचना जुटाने के लिए सक्रिय हो गई। इसी सांड को रोटी खिलाता थे परिजन घटना के शिकार खजान सिंह के बेटे राजेंद्र ने बताया कि उनका परिवार इसी सांड को रोटी खिलाता था लेकिन काल ऐसा आया कि सांड ने उनके पिता पर ही हमला कर दिया। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में आ गया है। सांड ने एक छात्रा पर भी किया था हमले का प्रयास स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार को चंद्रनगर स्थित श्री राम शर्मा इंटर कॉलेज की छात्रा पर भी रास्ते में सांड ने हमला किया लेकिन छात्रा दौड़ते हुए बच निकली। सांड कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद रुक गया। बुजुर्ग के साथ हुई घटना के बाद नगर निगम को सूचना दी गई। इसके बाद नगर निगम की टीम उसे पकड़ने के बाद अपनी गाड़ी में लेकर चली गई।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन

प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

**प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ
शुभकामना सन्देश (Birthday,
anniversary, any kind of
message) कम कीमत में विज्ञापन
छपवाए - 9027776991**

जुकाम के मरीज बढ़ गए हैं। विगत स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया। मरीजों का पंजीकरण हुआ। इनमें की संख्या अधिक रही। तापमान दिनों से ठंडी हवा भी चल रही है। ही मौसम में हल्की सर्दी का सामना जैसी परेशानी बढ़ने लगी है। हम हल्की ठंड का अहसास होने पर बढ़ गई है। मौसम में तेजी से बदलने लगी है। खासकर ग्रामीणों की और जुकाम के मरीज बढ़ गए। किया गया। मेले में करीब 4 हजार लोगों की संख्या अधिक रही। तापमान ठंडा रहा। खासकर रात होने के साथ ही तापमान गिरा। खासकर सर्दी-खांसी और जुकाम में अधिक दिक्कत हो रही है। विगत स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले से अधिक बच्चे भी शामिल रहे। परेशानी गले में खरांस की हो रही है। परेशानी से पीड़ित पहुंचे। इसके साथ ही स्वास्थ्य मेले में बुखार पीड़ित 400 से अधिक मरीजों की जांच की गई। बुखार के साथ ही परेशानी बढ़ने लगी है। बुखार के साथ ही ठंड का अहसास - लुढ़का पारा, सर्दी और सुबह-शाम हल्की ठंड का अहसास का असर गायब हो गया है। मेले में मौसम विभाग ने अनुमान लगाया। उसके बाद तापमान में फिर से तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। वहीं रात में न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस कम रहा।

के पावन पर्व पर मॉडल टउन एवं दिव्य प्रभात फेरी निकाली ली। अध्यक्ष रवि छाबड़ा ने बताया कि हरीश्राम हौषीयस के साथ विगत कर्ष है। प्रातः काल में हरिनाम दरगाह मंदिर शाहदाना कॉलोनी सनातन धर्म मंदिर से होते हुए होते हुए पर श्री हरि मंदिर मॉडल राम संकीर्तन प्रभात फेरी में सभी करते हुए चल रहे होंगे। प्रभात पों की श्री राम दरबार, श्री राधा रेक्रम मार्ग पर जगह जगह यात्रा जाती है। ढोल, नगाड़े वा बँड पर मंदिर पर सभी भक्तजनों को श्री हरि मंदिर अध्यक्ष सुशील र्विंदर अध्यक्ष कमल नयन सपरा संयुक्त रूप के सभी भक्तजनों के

पर्वतीय समाज
आवश्यक बैठक
भोलेशनाथ मंदिर
गयी, जिसमें
को मनाये जाना
दिवस समारोह
विचार विमर्श
कार्यक्रम की
समाज के
सिंह बिष्ट ने
द्व गायक जोड़ी
उल्लेखनीय है कि
यक रह चुके हैं
वताया कि अभी
त कलाकार भी
पदाधिकारियों
में एक यादगार
भारी संख्या में
त में महासचिव
मेश शर्मा, पूरन
य नेगी, विनोद
तुल डालाकोटी,
पूरन चंद्र जोशी,



उनके पिता अशोक कुमार दरोगा हैं। वह रामपुर के किसी थाने में तैनात हैं। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है। जानकारी के मुताबिक अर्पण पांडे अपनी मां मनोरमा को लेकर कार से मुरादाबाद जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि सुबह साढ़े सात बजे के करीब टिसुआ के पास नेशनल हाईवे पर अर्पण की कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर को पार कर दूसरी तरफ जाकर डीसीएम से टकरा गई।

डीसीएम बरेली की तरफ से आ रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा डीसीएम में घुस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मां-बेटे को कार से बाहर निकाला और सीएचसी फरीदपुर भिजवाया,

जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाया। इसके बाद जाम खुल सका।

जिससे विभागीय कार्य प्रभावित हो रहा है। इसी बीच सूत्रों के हवाले से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि हसनपुर परीक्षण शाला में कई मीटर बिना सहायक अभियंता (मीटर) की स्वीकृति के ही डिक्लेअर कर दिए गए। बताया जा रहा है कि इंटेलीस्मार्ट कंपनी के सर्किल इंचार्ज बाँबी भास्करन द्वारा स्वयं मीटरों को डिक्लेअर किया गया, जबकि यह अधिकार केवल विभागीय अभियंता के पास होता है। सूत्रों का कहना है कि इन मीटरों को संदिग्ध (संशुद्ध) श्रेणी में रखा गया था, लेकिन कथित रूप से पैसे लेकर इन्हें डिक्लेअर कर दिया गया। मामले में जोनल हेड के कुछ अधिकारियों के भी शामिल होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि इन्होंने अपनी इनहाउस टीम सुमित नामक व्यक्ति के माध्यम से गठित कर रखी है, जो गड़बड़ियों को अंजाम दे रही है। विभागीय पत्र के अनुसार, हसनपुर परीक्षण शाला ने इंटेलीस्मार्ट कंपनी को बार-बार निर्देश दिए कि सभी मीटरों के एमओआरआर नंबर तत्काल जमा किए जाएं। इसके बावजूद रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत नहीं की गई। सहायक अभियंता (मीटर) ने यह भी स्पष्ट किया कि इस लापरवाही से उपभोक्ताओं के मीटर परीक्षण कार्य पर सीधा असर पड़ रहा है। पत्र संख्या 352/वि.प.शा./हसनपुर/दिनांक 24 अक्टूबर 2025 के माध्यम से विभाग ने कंपनी को अंतिम चेतावनी दी है कि सभी बकाया मीटरों का रिकॉर्ड तत्काल प्रस्तुत किया जाए, अन्यथा विभागीय जांच और कार्रवाई की जाएगी। प्रेषक सहायक अभियंता (मीटर), विद्युत परीक्षण शाला, हसनपुर, प्रति- अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड-अमरोहा / अधिशासी अभियंता, विद्युत परीक्षण शाला अमरोहा / एम.एस. इंटेलीस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि., गुरुग्राम (हरियाणा)।

एसएसबी भिनगा में श्री 108 विवृत सागर जी महाराज के आज के प्रवचन सतर्कता जागरूकता में तब और सत्संग सत्य के साथ जुड़ना के बीच की समाह का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती पीयूष सिन्हा, उप कमांडेंट के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय भिनगा में सतर्कता जागरूकता समाह के शुभारंभ अवसर पर एक सतर्कता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीयूष सिन्हा, उप कमांडेंट ने वाहिनी के समस्त अधिकारियों एवं जवानों को रिश्त न लेने और न देने, भ्रष्टाचार का विरोध करने, ईमानदारी, निष्पक्षता तथा पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार एक सामाजिक बुराई है, जिसे समाप्त करने के लिए केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि व्यक्तिगत स्तर पर भी नैतिक प्रतिबद्धता आवश्यक है। इस मौके पर गोबर्धन पुजारी, उप कमांडेंट, के साथ वाहिनी के सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। साथ ही, वाहिनी की सभी सीमा चौकियों पर भी उपस्थित जवानों एवं अधिकारियों द्वारा एक साथ सतर्कता शपथ ली गई। सतर्कता जागरूकता समाह के तहत आगामी दिनों में विभिन्न कार्यक्रम – जैसे भ्रष्टाचार उन्मूलन पर गोष्ठी, क्लिज प्रतियोगिता, जागरूकता रैली और जनसंवाद सत्र – आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य कर्मियों और नागरिकों में नैतिक मूल्यों, ईमानदारी एवं सतर्कता की भावना को सशक्त करना है।



क्यूँ न लिखूँ सच/राकेश गुप्ता/ शामली आज दिगंबर जैन धर्मशाला में परम पूज्य मुनि श्री 108 विवृत सागर जी मुनिराज के प्रवचन तप और सत्संग (सत्य के साथ जुड़ना) के बीच तुलना कर रहे हैं, सत्संग की श्रेष्ठता पर जोर देते हैं। यह सांसारिक संबंधों की क्षणभंगुरता और भौतिक धन की निरर्थकता इस बात पर बल देता है कि समझना, अनुभव करना और महत्वपूर्ण है। ऋषि विश्वामित्र मानते थे, जिससे आत्मा शुद्ध (सत्य के संग) को श्रेष्ठ मानते बिना जीवन व्यर्थ है। जब दोनों निकला, तो वे पृथ्वी माँ के पास ने अपनी 1000 दिन की तपस्या अर्पित की, लेकिन पृथ्वी काँपने वशिष्ठ ने अपने सत्संग से उत्पन्न पृथ्वी सहजता से उनके सिर पर सत्संग की श्रेष्ठता को स्थापित करती है, यह दर्शाते हुए कि सत्संग ही जीवन का आधार है। मुनिराज स्पष्ट करते हैं कि सत्संग केवल भजन या उपदेश सुनना नहीं है। यह सत्य का संग है, जो एक आंतरिक घटना है – स्वयं के सत्य (आत्मा) से परिचय करना। सभी सांसारिक रिश्ते असत्य पर आधारित हैं और झूठी दिलासा देते हैं। सिकंदर ने विश्व विजय का सपना देखा, बहुत धन-दौलत जोड़ी, लेकिन अंत में उसे भी बोध हुआ। उसने इच्छा व्यक्त की थी कि जब उसकी जनाजा निकले तो उसके दोनों हाथ बाहर रखे जाएं, और उसकी सारी कमाई हुई दौलत उसके साथ खुले डिब्बों में ले जाई जाए, ताकि दुनिया देख सके कि वह खाली हाथ जा रहा है, धन-दौलत कितनी भी हो, व्यक्ति केवल रोटी ही खाता है और अंततः कुछ भी साथ नहीं ले जा पाता; यह केवल अहंकार का पोषण करता है। बहुत से लोग तत्व की बात सुनते हैं, लेकिन विरले ही उसे जान पाते हैं। जानने वालों में भी विरले ही उस पर भावना (आत्मसात) कर पाते हैं। और अंत में, विरले ही जीव उस तत्व को धारण कर पाते हैं, यानी उसे अपने आचरण और जीवन का अभिन्न अंग बना पाते हैं। पत्थर के टूटने के दृष्टांत से समझाया गया है कि बार-बार प्रयास करने से, भले ही तुरंत सफलता न मिले, जड़ता कम होती है। सिद्ध परमेष्ठी और अर्हत परमेष्ठी ही पूर्ण रूप से तत्व में स्थित हैं; अन्य सभी जीव इसमें स्थित होने का प्रयास कर रहे हैं। यह प्रवचन आध्यात्मिक सत्य की खोज, सांसारिक मोह से मुक्ति, और गहरे तत्वज्ञान को वास्तविक अर्थों में समझने तथा उसे अपने जीवन में धारण करने की चुनौती पर केंद्रित है। यह सत्संग को केवल सुनने से कहीं अधिक गहरा और आंतरिक अनुभव बताता है। आज चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन श्रीमती अर्चना जैन प्रियंका जैन ऐश्वर्य परिवार द्वारा, पाद प्रक्षालन अरुण जैन अरविन्द जैन सुरभि जैन रजनी जैन द्वारा शास्त्र भेंट विपिन जैन दीपा जैन परिवार द्वारा किया गया आज आहार चर्या कांबोज कॉलोनी स्थित मोहित जैन सुनीता जैन परिवार में सानंद संपन्न हुई।



कुपोषण का डर, बाघ का खतरा... फिर भी मजबूर माताएँ जंगलों से गुजर 10 किलोमीटर पैदल आंगनबाड़ी पहुँचती हैं !

आख़िर कब तक चलेगा यह दर्द ? सरकार कब लेगी सुध ?

क्यूँ न लिखूँ सच/पप्पू जायसवाल चांदनी बिहारपुर। एक तरफ़ सरकार कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ की बात करती है, तो दूसरी तरफ़ सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत खोहिर के आश्रित ग्राम भुंडा की महिलाएँ अपने बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए बाघ के खतरे वाले जंगलों केंद्र तक पहुँचने को मजबूर हैं। भुंडा गांव में लगभग 25 परिवार रहते हैं। महिलाएँ कहती हैं – कुपोषण से तो डर है ही, पर बाघ से भी डरकर पार करना ही पड़ेगा। बाघ के बीच से होकर पौष्टिक आहार लेने जाती हैं बच्चों की सुरक्षा के लिए साथ जाते हैं। तीर-धनुष लेकर जंगल पार ग्राम पंचायत लुल्ह में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुँचने में उन्हें करीब में पौष्टिक आहार लेकर वापस आते हैं। ग्रामीणों ने बताया – डर नहीं है कुपोषण से मर न जाएं। भुंडा तक पगडंडी ही रास्ता, विकास का सड़क नहीं, सिर्फ़ एक पगडंडी रास्ता है जो जंगलों से होकर गुजरता है। खोला जाए, पक्की सड़क, बिजली और पोलिंग बूथ बनाया जाए। अन्यथा करेंगे और आने वाले विधानसभा व लोकसभा चुनाव का बहिष्कार जनप्रतिनिधि नहीं आया! ग्रामीणों ने बताया कि आज़ादी से लेकर अब इस गांव में पहुँचा है। फिर भी ग्रामीण 10 किलोमीटर पैदल चलकर मतदान करने जाते हैं। अब वे कहते हैं – अगर हमारी सुनवाई नहीं हुई तो वोट नहीं डालेंगे। पूर्व सरपंच की पीड़ा – लिखित आवेदन भी बेअसर ! पूर्व सरपंच फुलसाय पण्डे ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्री सहित संबंधित अधिकारियों को लिखित आवेदन देकर मांग की थी कि भुंडा में एक नया आंगनबाड़ी केंद्र खोला जाए, बैजनपाठ में मिडिल स्कूल, पण्डोपारा और लुल्ह में आंगनबाड़ी केंद्र, साथ ही बैजनपाठ और लुल्ह को मिलाकर अलग पंचायत बनाया जाए। पर आज तक किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्राम पंचायत खोहिर – देश की सबसे बड़ी पंचायत होने का दावा स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि ग्राम पंचायत खोहिर क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत की सबसे बड़ी पंचायत हो सकती है। इसमें शामिल हैं – खोहिर 10 किमी क्षेत्र बैजनपाठ 8 किमी क्षेत्र लुल्ह 10 किमी क्षेत्र भुंडा 5 किमी क्षेत्र कुल मिलाकर यह पंचायत लगभग 30 किलोमीटर के दायरे में फैली है, लेकिन अभी तक सर्वे नहीं हो सका। ग्रामीणों की एक ही गुहार – विकास का अधिकार दो ! ग्रामीणों ने कहा कि वे अब थक चुके हैं, लेकिन हार नहीं मानेंगे। सरकार से बस इतनी मांग है कि हमारे बच्चों की भूख और हमारी सुरक्षा दोनों का समाधान करे। ओर बड़ा न्यूज की टीम सरकार से यह सवाल पूछती है – क्या छत्तीसगढ़ में कुपोषण मिटाने की योजनाएँ कागज़ तक ही सीमित रह जाएंगी ? क्या बाघों से भरे जंगल में माताओं की जद्दोज़हद सरकार तक नहीं पहुँचती ? क्या भारत की सबसे बड़ी पंचायत होने का दावा करने वाली जगह विकास से सबसे दूर रहेगी?



से 10 किलोमीटर पैदल चलकर आंगनबाड़ी गांव में स्कूल तो है, पर आंगनबाड़ी केंद्र नहीं। नहीं बैठ सकते। बच्चों को बचाना है तो जंगल माताएँ गांव के पुरुष भी अपनी पत्नियों और करते हैं, ताकि किसी अनहोनी से बच सकें। तीन घंटे लग जाते हैं। वहीं लौटते समय झोले बाघ से, डर है कि हमारे बच्चे भूख और नामोनिशान नहीं भुंडा गांव तक कोई पक्की ग्रामीणों ने मांग की गांव में आंगनबाड़ी केंद्र वे चेतावनी दे चुके हैं – हम भूख हड़ताल करेंगे। आज़ादी के बाद आज तक कोई तक न कोई जनप्रतिनिधि और न कोई अधिकारी

करोड़ों की लागत से बनी सड़क पहली बारिश में ही बह गई

सूरजपुर जिले के ओडगी क्षेत्र में बरगा नदी के कटाव से सड़क धंसी, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रशासन की लापरवाही से ग्रामीणों में गुस्सा, आवागमन ठप होने का खतरा चांदनी बिहारपुर/ विकासखंड ओडगी के अंतर्गत कुदरगढ़ देवीधाम चांदनी बिहारपुर मार्ग – जो छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को जोड़ने वाला ग्राम सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये की बह गई है। लगातार दो महीने से हो रही वर्षा स्थित सड़क का बड़ा हिस्सा मिट्टी सहित बह हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि सड़क का आधा भारी वाहन के गुजरने पर यह हिस्सा पूरी तरह पुल अब मौत का जाल बन गया है। पुल के कहना है कि जब नदी में बाढ़ आई थी, तब दोनों को भारी नुकसान हुआ। ग्रामीणों ने बताया मध्यप्रदेश की सीमा तक जाती है, और यह जाता है। इस रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। अब यह सड़क हादसे को दावत दे निर्माण– यह सड़क वर्ष 2024–25 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई थी। लेकिन पहली ही बारिश में इसका असली चेहरा सामने आ गया है। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण के समय घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था, जिसका नतीजा अब सड़क धंसने के रूप में सामने आया है। प्रशासन ने नहीं ली सुध स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग को शिकायत दी, लेकिन अब तक किसी अधिकारी ने मौके का जायजा लेना तक जरूरी नहीं समझा। खतरे की निशानी के रूप में केवल कुछ पेड़ की डालियाँ सड़क पर रखी गई हैं ताकि वाहन चालक सावधान रहें। ग्रामीण बोले – हादसे के बाद ही जागेगा प्रशासन– ग्राम पंचायत मोहरसोप के ग्रामीणों ने कहा, ऋहम रोज इसी सड़क से गुजरते हैं। कभी भी कोई वाहन फिसल सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है। अधिकारी मौके पर आते तो स्थिति की गंभीरता समझते, लेकिन ऐसा लगता है प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतज़ार कर रहा है। बिहारपुर क्षेत्र के 24 से अधिक गांवों का संपर्क टूटने का खतरा इस सड़क के पूरी तरह बंद हो जाने से बिहारपुर क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कुदरगढ़ देवीधाम और जिला मुख्यालय सूरजपुर से टूट जाएगा। इससे न केवल परिवहन प्रभावित होगा बल्कि ग्रामीणों के लिए बाजार, स्कूल और अस्पताल तक पहुँचना भी मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीणों की मांग – तुरंत मरम्मत हो, नदी किनारे सुरक्षा दीवार बने ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मोहरसोप बरगा नदी के किनारे क्षतिग्रस्त सड़क को तत्काल मरम्मत की जाए और नदी किनारे सुरक्षा दीवार (retaining wall) का निर्माण किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह का नुकसान दोबारा न हो



प्रमुख संपर्क मार्ग है – आज पूरी तरह खतरे में है। प्रधानमंत्री लागत से बनी यह सड़क पहली ही भारी बारिश में टूटकर और बरगा नदी में आई तेज बाढ़ के कारण नदी किनारे गया है। जगह-जगह सड़क किनारे गहरी दरारें पड़ चुकी हिस्सा अब हवा में लटक गया है और किसी भी समय धंस सकता है। मोहरसोप गांव के पास बरगा नदी पर बना दोनों ओर सड़क पूरी तरह कट चुकी है। ग्रामीणों का पुल के ऊपर से पानी बह रहा था, जिससे पुल और सड़क कि यह वही सड़क है, जो बिहारपुर से ओडगी होते हुए मार्ग क्षेत्र का सबसे लंबा और व्यस्ततम संपर्क मार्ग माना – जिनमें ट्रक, बसें, और दोपहिया वाहन शामिल हैं – रही है। 2024–25 में करोड़ों रुपये की लागत से हुआ था

संक्षिप्त समाचार अतिक्रमण से मिर्जापुर चौराहे पर जाम

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती बदला चौराहा से नानपारा मार्ग पर स्थित तिराहों व चौराहों पर सड़क पटरियों प र अतिक्रमण के चलते जाम की स्थिति बनी रहती है। चालक अपने डगगामार वाहन व ई-रिक्शा को सड़क पर खड़ा किए रहते हैं। जिसके चलते लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बदला से नानपारा मार्ग पर स्थित मिर्जापुर चौराहा से कटिलिया चौराहा जाने वाला मार्ग अतिक्रमण का शिकार है। पूरा दिन सड़क की दोनों पटरियों के साथ ही अधी सड़क तक डगगामार वाहन व ई-रिक्शा का जमघट लगा रहता है। दुकानदार व ग्राहक भी अपने वाहन सड़क पर खड़ा कर देते हैं। चालक घंटों अपने वाहन खड़े कर सवारियों की प्रतीक्षा करते हैं। इसके चलते सड़क संकरी होती है और वाहनों का निकलना मुश्किल रहता है। इस वजह से चौराहे पर जाम की स्थिति बनी रहती है। बड़े वाहनों को निकलने में काफी समस्या होती है।



पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की सराहनीय पहल से सुलझा वैवाहिक विवाद, लौटी परिवार में खुशियां

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल/ श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के मार्गदर्शन में पुलिस परिवार परामर्श केंद्र, श्रावस्ती में आयोजित बैठक के दौरान एक वैवाहिक विवाद को संवाद, समझदारी और आपसी विश्वास के माध्यम से सुलझाया गया। पति-पत्नी के बीच उत्पन्न मतभेदों को शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए समाप्त कर सुलह समझौते पर सहमति बनाई गई। बैठक में उप निरीक्षक शिवशरण गौड़, मुख्य आरक्षी अखिलेश यादव, महिला आरक्षी नीतू कुशवाहा, महिला आरक्षी ऋचा शुक्ला तथा सोहनलाल मिश्रा संप्रांत व्यक्ति भिनगा की उपस्थिति में दोनों पक्षों की बातें ध्यानपूर्वक सुनी गई तथा आपसी सहमति से विवाद का समाधान कराया गया। सुलह के उपरांत दंपति ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर नई शुरुआत की। सुलह समझौता में वादी रईस अहमद की पत्नी निवासी ग्राम भरथा कलां, पुलिस चौकी राजपुर मोड़ थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती प्रतिवादी – रईस अहमद पुत्र शहजादा निवासी ग्राम भरथा कलां, पुलिस चौकी राजपुर मोड़, थाना सिरसिया, जनपद श्रावस्ती !

कलेक्टर चौधरी ने दिए निर्देश – तीन दिवस में पूरा हो फसल क्षति का सर्वे आंधी और वर्षा से प्रभावित धान-मक्का फसलों का संयुक्त सर्वे शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी। हाल ही में जिले में हुई तेज आंधी और वर्षा से धान एवं मक्का की फसलों को हुए नुकसान को लेकर कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने राजस्व अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त सर्वेक्षण तीन दिनों के भीतर पूर्ण किया जाए ताकि किसानों को उचित राहत मिल सके। कलेक्टर चौधरी ने निर्देशित किया कि सर्वेक्षण कार्य राजस्व, कृषि, उद्यानिकी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीमों द्वारा किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी प्रभावित क्षेत्र सर्वे से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्र के किसानों से सीधे संपर्क कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सर्वेक्षण कार्य पूर्ण पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए और उसकी विस्तृत रिपोर्ट तीन दिवस में जिला कार्यालय को प्रेषित की जाए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर

ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन

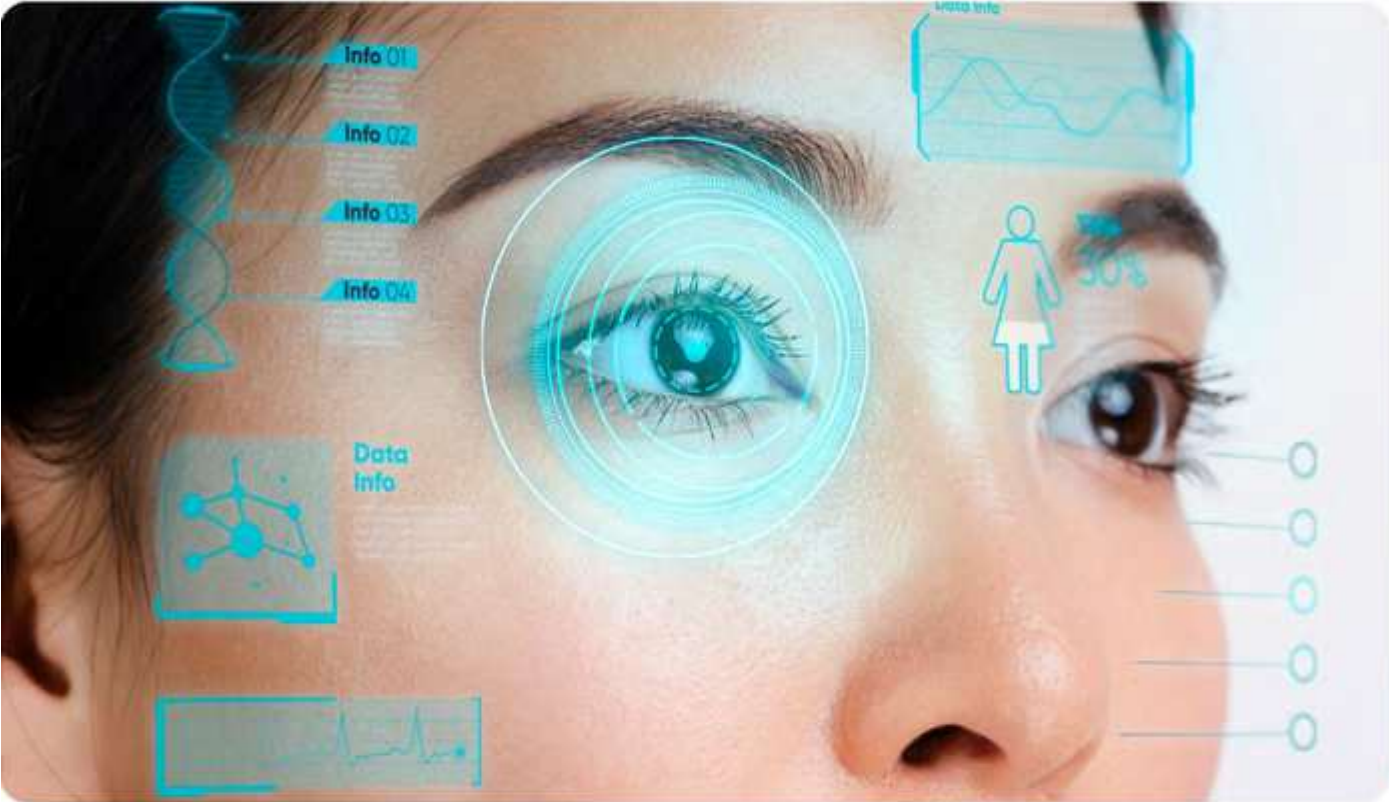
प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

Take these precautions before venturing out into pollution, or you could lose your eyesight.

Air pollution is at its peak these days in many major cities across the country, including Delhi. This pollution poses a serious threat to our overall health. It also has adverse effects on our eyes. Let's learn about prevention in peak in many cities across the cities has exceeded 300. This for residents. This pollution is air not only affects our lungs and eyes, the most sensitive organ in the oxide, and sulfur dioxide directly provides moisture and protection to down this layer, leading to initial eye and redness. Eye experts believe that significantly increases the risk of like macular degeneration and special precautions to protect your goggles before going out. Whenever environments, always wear sunglasses. These goggles prevent smoke from directly reaching the eye irritation and external allergies. being outside in pollution, avoid hands. Toxic particles can rubbed, can enter the eyes and cause first wash your hands and face with hydration - Pollution dries out the eyes quickly. To avoid this dryness, use lubricating eye drops or artificial tears as advised by your doctor. Also, drink plenty of water throughout the day to keep your body hydrated. Maintaining adequate moisture in the body maintains the quality of tears. 20-20-20 rule and nutritional intake - If you work on digital screens (mobile/laptop) for long periods of time, follow the 20-20-20 rule. Every 20 minutes, look 20 feet away for 20 seconds. Also, include foods rich in vitamins A, C, and E, and omega-3 (carrots, spinach, walnuts) in your diet, which provide internal protection for eye health.



this article. Air pollution is currently at its country. The Air Quality Index in many situation can prove extremely dangerous detrimental to our overall health. Polluted heart, but also poses a silent threat to our body. Toxic particles like PM2.5, nitric damage the tear film of the eyes, which the eyes. Exposure to pollution breaks problems like dryness, irritation, itching, prolonged exposure to highly polluted air permanent vision loss or serious diseases cataracts. Therefore, it's crucial to take eyes before going out. Wear protective you venture out into polluted protective glasses or wrap-around harmful pollutant particles, dust, and eyes. This significantly reduces the risk of Avoid touching or rubbing your eyes. After touching or rubbing your eyes with your accumulate on your hands, which, when a serious infection. Upon returning home, cold water. Use eye drops and maintain

Not just alcohol, these kitchen ingredients also increase the risk of fatty liver. Be sure to learn more.

Fatty liver is a serious problem, and there's a misconception that it's only caused by alcohol. Few people know that this condition can also be caused by poor diet and irregular lifestyle. So, let's learn about it in this article. Fatty accumulates in the liver cells. It's also solely with excessive alcohol are two types of fatty liver: alcoholic consumption, and non-alcoholic fatty poor lifestyle habits, and metabolic about non-alcoholic fatty liver. such as cold drinks, sweets, white Additionally, fried and processed foods harmful to the liver. Therefore, even mindful of their diet. Let's explore this The biggest cause of fatty liver in your you consume soft drinks, canned juices, pastries), your body accumulates too directly as energy, so it rapidly converts cells, leading to fatty liver disease. a major role in increasing the risk of made from it, such as biscuits, white glycemic index. These rapidly increase which promotes fat accumulation in the and saturated fat cause inflammation in the liver and contribute to fatty liver. A sedentary lifestyle is also a major cause of fatty liver. In addition to diet, a sedentary lifestyle also increases the risk of fatty liver. Therefore, regular exercise, at least 30 minutes of moderate intensity exercise daily, is crucial. Physical activity helps manage weight, a major cause of fatty liver. Furthermore, exercise improves insulin sensitivity, allowing the body to utilize sugar more effectively and reducing the risk of fat accumulation in the liver. Getting adequate sleep and managing stress are also important for liver health. An active lifestyle can significantly reduce the risk of fatty liver. Take these important precautions: To keep your liver healthy, it's essential to completely reduce your sugar intake. Avoid all sweetened beverages, candy, and highly processed foods. Include whole grains (such as brown rice and oats), fresh fruits, and a variety of vegetables in your diet. These contain fiber, which slows digestion and helps regulate blood sugar. Additionally, increase your intake of healthy fats, such as nuts, seeds, avocados, and olive oil, as these are considered good for liver health.



liver is a condition in which excess fat called hepatic steatosis. People often associate it consumption, but few people know that there fatty liver disease, which is caused by alcohol liver disease, which is directly related to obesity, problems like diabetes. In this article, we'll learn Excessive sugar and carbohydrate-rich foods, bread, and pasta, increase the risk of fatty liver. rich in trans fat and saturated fat can also be those who do not consume alcohol should be in detail in this article. Excessive sugar intake: kitchen is excessive sugar and fructose. When or sweet baked goods (such as cakes and much fructose. The liver cannot use this fructose it into fat. This excess fat accumulates in the liver Refined carbohydrates and unhealthy fats play fatty liver. White flour (maida) and products bread, and breakfast cereals, have a high blood sugar levels, leading to insulin resistance, liver. Furthermore, junk foods high in trans fat

Get Rid of Stomach Gas Problems in Minutes: These Home Remedies Provide Instant Relief

Stomach gas is a very common problem that almost everyone experiences at some point. Sometimes, this problem can become severe. Let's learn about some home remedies in this article that can relieve stomach gas problems. Stomach gas is a very common problem that can bother anyone, anytime. It occurs when gas accumulates in the digestive system during the digestion of food, causing bloating, abdominal pain, and discomfort. This problem consume excessive amounts of oily, spicy, and gas-producing foods (such the-counter medications available for this problem, taking medicine also have side effects. Many things are available in our kitchen that can break down gas bubbles and expel them, providing instant relief. By problem without any side effects. The infallible remedy of carom seeds relieve stomach gas is carom seeds (ajwain). Carom seeds contain a a teaspoon of carom seeds with black salt in lukewarm water and consume and gas in just a few minutes. The magic of cumin water and lemon - Cumin is full of excellent digestive properties. Mix a teaspoon of cumin powder and half a lemon juice in a glass of lukewarm water and drink it. The citric acid present in lemon improves digestion, while cumin prevents gas formation. Drinking this also reduces bloating. Quick relief with asafoetida and ginger: Asafoetida is a powerful carminative. Dissolving a pinch of asafoetida in lukewarm water and drinking it provides instant relief. You can also chew a small piece of ginger or drink ginger tea, which can provide immediate relief from gas and stomach pain. Make permanent lifestyle changes: To avoid gas problems, always eat your food slowly and chew it thoroughly. Avoid lying down or sleeping immediately after eating and regularly practice light yoga exercises like Vajrasana. Also, make it a habit to drink plenty of water throughout the day; this helps prevent both constipation and gas. If you do not get relief even after trying these remedies, and the gas and pain in your stomach are increasing, consult a doctor immediately.



often worsens when we eat quickly, don't chew food properly, or as cabbage, kidney beans, chickpeas). While there are many over-immediately for gas is not always necessary, as these medicines provide relief from this problem in minutes. These foods help adopting these simple natural remedies, you can get rid of this and black salt - The oldest and most effective remedy to instantly compound called 'thymol', which stimulates gastric secretions. Mix it immediately. This mixture provides relief from stomach cramps

'Stree 3' Won't Release in 2026: Dinesh Vijan Reveals How the Idea of ??Creating a Universe Came About

Dinesh Vijan shared the future plans for Maddock's horror-comedy universe. He explained how the entire universe is connected. Maddock's recently released horror-comedy film 'Thama' has been constantly in the news. The film is receiving mixed reactions from both the audience and critics. After 'Thama', fans are now eagerly awaiting the upcoming films in this universe. Now, Maddock's owner, Dinesh Vijan, He also explained why 'Stree 3' will not come about - In a recent conversation explained how this 'horror-comedy' person told him that when you are Chuck Roven, who is the producer of them. He told this to Deepika Padukone 'Stree' was made, I understood. If you physics. That's how the idea of ??this connected - Referring to 'Munjya' and different worlds. Family conflict. So we not bringing 'Stree 3' next year. Most it later. There is a journey involved. So family environment. This universe is No two are alike. So when you see the family drama, if you look at it, from the father-son conflict in 'Stree'. – Stree is a group of three friends. 'Stree'. Munjya likes a girl, so what Dinesh explained, referring to 'Thama'. 'So if you look at it, it should be connected, but not the same, and you have to be conscious of that. So that's what we're trying to do. But because, when you have a big family, you have a lot of family politics. Over tea, you're really interested in what this one did. So that's what the world is. I'm feeling it more in Delhi right now, because I spoke to some people yesterday and I was very happy to see that they actually have their own theories about what's going to happen next. Like what's Stree's connection with Munjya and what's going to happen. We are also conscious of that and we have a team to develop it. So I think because we love a big family, that's what this world is. Being conscious of the fact that every character is unique in itself and one size doesn't fit all.' Upcoming films of the universe - Talking about the upcoming films of the Maddock Horror Comedy Universe, it includes Ananya Panday starrer 'Shakti Shalini', Varun Dhawan's much-awaited 'Bhediya 2', 'Chamunda' which reportedly stars Alia Bhatt, Shraddha Kapoor and Rajkummar Rao's 'Stree 3', 'Maha Munjya', 'Pehla Mahayudh' and 'Dusra Mahayudh'. There are also plans to bring a spin-off of 'Thama'.



has spoken about the upcoming films in the universe. be released in 2026. How the idea of ??the universe with Sonal Kalra on 'The Right Angle', Dinesh Vijan universe was created. Dinesh said that a very wise making films, keep them in a box. A gentleman named all of Christopher Nolan's films, has made most of and me in 2012. This stayed with me forever. So when want to bring some people together, don't change the universe came about. How the entire universe is 'Stree', Dinesh Vijan said, 'These are completely are very conscious not to repeat it. That's why we are people would want to. It's a more sensible step to bring we are trying. I come from a joint family. We like a big also a family and it has different kinds of characters. 'Thama', you'll realize it's nothing like 'Munjya'. Even there's a father-son conflict here. It's very different So unless you're trying to replicate the same equation Bhediya has a brother, a cousin, which is also there in happens, it's a triangle.' This universe is like a family,'

Is Janhvi Kapoor getting married, and has she even announced the date? Find out why this is being discussed.

Is Janhvi Kapoor getting married, and has she announced her wedding date? Why is this discussion happening? Here's the whole story. Janhvi Kapoor remains in the headlines not only for her films but also for her love life. is often seen with her boyfriend, discussions from time to time that the has consistently denied these rumors. the rumors of her marriage. What is Janhvi Kapoor posted a cryptic deleted. But by then, it had already speculations are being made about marriage. In fact, Janhvi Kapoor October 29.' Along with this, she and a picture of a flight. However, then, it had already gone viral. soon as Janhvi mentioned this date, the actress's marriage. People linked the actress's marriage with her users commented that Janhvi is many fans also suggested that it next project. People believe that announced on this day. Fans are of her upcoming film 'Chaalbaaz in what exactly will happen on October Speaking of her work front, Janhvi Kapoor was last seen in the film 'Sunny Sanskari Ki Tulsi Kumari', which was released this month. Before that, the actress appeared in 'Param Sundari' alongside Sidharth Malhotra. Both of these films were romantic comedies. However, neither film performed particularly well at the box office and received mixed reactions from both audiences and critics.



The actress is quite active on social media and Shikhar Pahariya. There have also been two might soon tie the knot. However, Janhvi Now, a post by Janhvi Kapoor has reignited the whole matter? Janhvi's Cryptic Post: message on social media, which she later gone viral. Now, after this post, all sorts of Janhvi. Many fans are linking it to Janhvi's wrote on her Instagram story, 'Save the date, shared a heart emoji, a dancing girl emoji, Janhvi deleted her story shortly after. But by Marriage or a New Announcement? Now, as fans immediately started speculating about the date, October 29, and the heart emoji to boyfriend, Shikhar Pahariya. While some going to leave Bollywood. Apart from all this, could be the announcement date of Janhvi's Janhvi Kapoor's new film might be speculating that it could be the announcement London'. Currently, it's not yet confirmed 29th, the date Janhvi asked everyone to save.

'If given the opportunity, I would love to do a biopic on Virat Kohli,' Panchayat fame Jitendra Kumar speaks exclusively about his journey

Panchayat fame actor Jitendra Kumar is currently seen in the film 'Bhagwat: Chapter One: Rakshas'. In an exclusive interview with Amar Ujala, he spoke about his experiences and his career so far. Known for hit shows like 'TVF Pitchers', 'Kota Factory', and 'Panchayat', actor Jitendra Kumar is now seen in a completely different avatar in his new film 'Bhagwat: Chapter One: Rakshas'. In this film, he is playing the role of a criminal, Arshad's name,' Jitendra tells Amar Ujala, 'When the makers first time, I got very excited. I felt that if he did this film, the experience would yes or not. As soon as he agreed, I was really very happy. At that moment, sir's story' Jitendra already had a special connection with Arshad Warsi. mine used to explain to me that if you are so serious about everything, it as soon as an emotional scene comes, he immediately switches. This incident was from the time of his film 'Ishqiya'. This story was very inspiring for me. I have always remembered it and now it is a privilege for me to work with him.' 'I keep myself light after disturbing scenes' Regarding the emotional parts of the film, Jitendra says, 'After going home, I would only read the script and try not to think too much about the disturbing scenes I had done. Otherwise, they weigh heavily on the mind. I try to keep myself light so that I can go back to the set fresh the next day. Controlling yourself while acting is just as important as getting into the character.' 'The confession scene was challenging for me,' he continues, 'There was a scene, a confession scene, in which my character reveals everything. That scene was very challenging for me. It was difficult to bring out that emotion at that time, but when the shot was over and everyone applauded, I felt that the hard work had paid off. I will always remember that moment because I completely immersed myself in that scene.' 'I'm fortunate that I haven't been offered the same type of roles repeatedly' - After 'Panchayat' and 'Kota Factory', many people thought that Jitendra would probably only be seen in light-hearted roles, but he avoided repeating himself. He says, 'I am fortunate that I haven't been offered the same type of roles repeatedly. The makers trusted me. Yes, most of the offers were in the fun or comedy space, but I always focus on the story. Even if a new character is somewhat similar to the previous one, I don't have a problem, as long as the story is new and honest. For an artist, the story is the most important thing.' 'I would like to do a biopic of Virat Kohli' On the question of biopics, Jitendra smiles and says, 'I love cricket. I find Virat Kohli's story very inspiring. If I ever get the opportunity, I would definitely like to do his biopic. The life of a player like him is an inspiration for every artist.' 'Every story teaches something new' The film 'Bhagwat: Chapter One: Rakshas' was a new experience for him. Jitendra says, 'When I was narrated the story, I felt that there was an opportunity to do something different. I read the entire script to understand how my character connects with others. This film has given me a new understanding as an artist.' Every story teaches something new, and that's the beauty of this profession.' The film, a psychological crime thriller, was released on October 17th on Zee5. The story goes like this: Inspector Vishwas Bhagwat, who arrives in a small town to solve the mystery of missing girls, finds himself caught between two conflicting situations; a seemingly calm professor comes into the picture, but everything is not as it seems.



while Arshad Warsi is playing the role of a police officer. 'I got excited as soon as I heard narrated the story, they said that they were going to approach Arshad Warsi sir. At that be fantastic. But at the same time, I was also afraid that I didn't know whether he would say I felt that this film was going to be something different for me.' 'I always remembered Arshad During the conversation, he said, 'In the initial days, I used to be very serious. A friend of will be difficult. He had told me a story about Arshad sir that he is very funny on the set, but